केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 122 मंगलवार 24 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शिक्षिका पर नाबालिग छात्र को भगा ले जाने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र में 11वीं कक्षा में पढ़ने वाले 16 साल के छात्र को स्कूल की 26 साल की शिक्षिका के बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने का मामला सामने आया है।

छात्र के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी शिक्षिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए छात्र और शिक्षिका की तलाश शुरू कर दी है।

कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक स्कूल में 16 साल का किशोर कक्षा 11 में पढ़ता है। उसके पिता इसी स्कूल के प्रबंधक हैं। स्कूल में रुपाली नाम की 26 साल की शिक्षिका करीब एक साल से पढ़ा रही हैं। आरोप है कि शिक्षिका छात्र को बहला–फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गई। बेटे के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में उन्हें पता चला कि स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षिका रुपाली ही उनके बेटे को अपने साथ लेकर गई है। इसके बाद छात्र के पिता ने कप्तानगंज थाने पहुंचकर तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की।

थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी शिक्षिका के खिलाफ छात्र को बहला–फुसलाकर अगवा करने और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। लोकेशन ट्रेस कर दोनों की तलाश की जा रही है। मामले की विवेचना एसआई सुनील कुमार तिवारी को सौंपी गई है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती मुंडेरवा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह अमृत भारत ट्रेन से गिरकर 19 साल के नेपाली युवक की मौत हो गई। वह ट्रेन के दरवाजे से बाहर झांक रहा था, तभी उसका सिर रेलवे ट्रैक किनारे लगे सिग्नल पोल से टकरा गया। इसके बाद वह ट्रेन से नीचे गिर गया।

मृतक की पहचान नेपाल के बारा जिले के सिमरनगढ़ थाना क्षेत्र के कवलपुर गांव रहने वाले श्रीकांत उर्फ जयकांत (19), पुत्र दीनानाथ शाह के रूप में हुई है। वह अपने बुआ के बेटे बैजनाथ और साथी संतोष कुमार महतो के साथ मजदूरी करने लखनऊ जा रहा था। तीनों ने पूर्वी चंपारण के घोरासाथ रेलवे स्टेशन से अमृत भारत ट्रेन पकड़ी थी।

सोमवार सुबह करीब 6.50 बजे ट्रेन मुंडेरवा–बस्ती रेलवे ट्रैक पर पहुंची थी। इसी दौरान श्रीकांत दरवाजे से बाहर झांकने लगा। तभी उसका सिर रेलवे ट्रैक किनारे लगे सिग्नल पोल से टकरा गया और वह नीचे गिर गया। कुछ देर बाद बैजनाथ को श्रीकांत के ट्रेन से गिरने की जानकारी हुई। वह बस्ती रेलवे स्टेशन पर उतरकर रेलवे ट्रैक पर उसकी तलाश करने लगा। वहीं, संतोष कुमार महतो स्टेशन पर ही रुका रहा और घायल युवक के इलाज का इंतजाम करने के लिए अस्पताल की जानकारी जुटाने लगा।

इसी बीच श्रीकांत की जेब में मिले मोबाइल नंबर के आधार पर मुंडेरवा थाने के इंस्पेक्टर रुदल सिंह ने बैजनाथ से संपर्क किया और उसे घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद परिजन थाने पहुंचे। पुलिस शव का पंचनामा भरकर कार्रवाई कर रही है।

भारत–नेपाल के बीच साप्ताहिक ट्रेन सेवा शुरू पीएम मोदी और बालेन्द्र शाह ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता–अयोध्या। भारत के अयोध्या और नेपाल के जनकपुर का त्रेता युगीन रिश्ता फिर जीवंत हो गया। सोमवार को दोनों देशों के बीच रेल सेवा शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस से संयुक्त रूप से अयोध्या कैंट और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा सरयू–कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी और नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने वर्चुअल माध्यम से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।



यह ट्रेन सप्ताह में एक बार चलेगी और भारत से नेपाल के बीच सीधे चलने वाली यह एकमात्र ट्रेन है। सरयू–कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के साथ पिछले कुछ घंटों की बातचीत में नेपाल के भविष्य और भारत–नेपाल संबंधों के प्रति उनके स्पष्ट दृष्टिकोण एवं प्रतिबद्धता को महसूस किया है, जो नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और उम्मीदों को दर्शाता है। दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अटूट विश्वास का है। दोनों देशों की चुनौतियां भी एक–दूसरे की प्रगति में सहभागी हैं।

पीएम मोदी ने नेपाल में पिछले महीनों आई आपदा पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए नेपाल के पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक विकास को मजबूती देने के लिए 24 हजार करोड़ रुपये के डेवलपमेंट कॉरपोरेशन पैकेज की घोषणा की।

डीएम ने किया वैष्णोपुर मेले के तैयारियों का निरीक्षण



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर जिलाधिकारी श्रीमती कृतिका ज्योत्स्ना ने माझा खुर्द टाण्डा पुल के दोनों तरफ तथा ग्राम सभा वैष्णोपुर में आयोजित होने वाले मेले के स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। 23 नवंबर की मध्य रात्रि से 24 नवंबर तक टाण्डा पुल के समीप बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के स्नान, पूजा–पाठ तथा वैष्णोपुर में स्थानीय मेले और रावण दहन कार्यक्रम में भीड़ जुटने की संभावना के मद्देनजर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने टाण्डा पुल के दोनों तरफ गोताखोर, स्टीमर एवं नाव, खोया पाया कैम्प, मेडिकल कैम्प की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि स्नान के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल बचाव कार्य किया जा सके। उन्होंने घाट एवं कार्यक्रम स्थल पर साफ–सफाई तथा पार्किंग की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए पुल के दोनों तरफ बैरिकेडिंग तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि टाण्डा पुल एवं कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सकों की टीम तैनात रहे, जिससे किसी भी श्रद्धालु को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम स्थल पर फायर ब्रिगेड, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य अग्नि सुरक्षा इंतजाम भी दुरुस्त रखने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए पर्व एवं मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएं।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी सुनंदु सुधाकरन, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती तथा उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार, खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर राम विशाल, मेला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत युवा संसद जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 27 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मेरा युवा भारत, बस्ती की ओर से 'विकसित भारत युवा संसद 2027' की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करना है। 27 नवम्बर को 11 बजे दिन से श्रीकृष्ण पाण्डेय इण्टर कालेज के सभागार में जनपद स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित किया गया है।

यह जानकारी देते हुये जिला युवा अधिकारी अंशिका सिंह ने बताया कि यह आयोजन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के तहत विशेष गतिविधि के रूप में कराया जा रहा है। प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतिभाग कर सकेंगे। इस बार प्रतियोगिता का विषय 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' निर्धारित किया गया है। प्रतिभागियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अधिकतम तीन मिनट का समय दिया जाएगा। उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन विषय की समझ, विचारों की स्पष्टता, तार्किक प्रस्तुति और अभिव्यक्ति कौशल के आधार पर होगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 9 एवं 10 जनवरी 2027 को नई दिल्ली स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित होगी। राष्ट्रीय स्तर के चयनित प्रतिभागियों को 11 एवं 12 जनवरी 2027 को आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 में सहभागिता का अवसर मिलेगा। जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत बस्ती ने जनपद के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं से प्रतियोगिता में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया है। कहा कि युवा संसद जैसे आयोजन युवाओं को अपनी बात रखने, राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने का मंच प्रदान करते हैं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी विकसित भारत /2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जनकपुर जाने वाली सरयू–कमला एक्सप्रेस का बस्ती में स्वागत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या और जनकपुर धाम के बीच सरयू–कमला एक्सप्रेस सोमवार को शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले दिन 1,158 यात्रियों ने सफर किया।

ट्रेन अयोध्या से चलकर दोपहर 3.29 बजे बस्ती रेलवे स्टेशन पहुंची। स्टेशन अधीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारियों ने इसका स्वागत किया।

आरपीएफ इंस्पेक्टर नसीम अहमद और जीआरपी थाना प्रभारी बांके लाल समेत अन्य अधिकारी स्टेशन पर मौजूद थे। ट्रेन बस्ती में तीन मिनट रुकी और 3.32 बजे अगले स्टेशन के लिए रवाना हो गई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश और बिहार के कुल 10 स्टेशनों पर रुकेगी। अयोध्या और जनकपुर धाम के बीच सीधी रेल सेवा से यात्रियों और श्रद्धालुओं को आने–जाने में सुविधा मिलेगी। आम यात्रियों के लिए ट्रेन का नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री योगी की मां को हिन्दू युवा वाहिनी ने दिया श्रद्धांजलि



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां स्वर्गीय सावित्री देवी के निधन पर सोमवार को हिंदू युवा वाहिनी की जिला इकाई ने शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। न्याय मार्ग स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित सभा का संयोजन जिला महामंत्री विनय सिंह ने किया।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय सावित्री देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

महामंत्री विनय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्म देने वाली मां सावित्री देवी का निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका जीवन त्याग, सादगी और संस्कारों की मिसाल रहा। उन्होंने कहा कि सावित्री देवी के जीवन से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती रहेगी और राष्ट्र उन्हें सदैव याद रखेगा। शोक सभा में विनय सिंह, कन्हैयालाल, विजय द्विवेदी, अवधेश मिश्रा, रवि शुक्ला, प्रमोद पाण्डेय, अमित सिंह, दुर्गेश पांडेय, धर्मेंद्र सहित संगठन के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस–सपा गठबंधन पर लगी मुहर, कांग्रेस ने सपा को 55 सीटों की पहली लिस्ट सौंपी





लखनऊ (आभा)। कांग्रेस और सपा की पांच– पांच सदस्यीय कमेटी की दिल्ली में सोमवार को हुई पहली बैठक में यह स्पष्ट किया गया है कि दोनों पार्टियां मिलकर ही चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस ने सपा के सामने अपनी प्राथमिकता वाली 181 सीटें रखीं। यह भी बताया कि वह संबंधित सीटें क्यों मांग रही है? इस मुद्दे पर दोबारा मंगलवार को बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक, पहली बैठक में कांग्रेस ने 55 सीटों की सूची सौंपी।

कांग्रेस की पांच सदस्यीय टीम में राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सांसद इमरान मसूद और सपा की टीम में प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद राजीव राय और इकरा चौधरी शामिल हैं। इन दोनों टीमों की सोमवार को बैठक हुई। बैठक में स्पष्ट किया गया कि दोनों पार्टियां विधानसभा चुनाव गठबंधन के तहत ही लड़ेंगी। इसके बाद सीटों पर चर्चा शुरू हुई। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने 181 सीटें लड़ने का प्रस्ताव रखा। फिर सीटवार प्राथमिकता बताई। 181 सीटें मांगने के पीछे वजह भी बताई। इसमें जातीय समीकरण, अपनी विधानसभा क्षेत्रवार तैयारी, लोकसभा चुनाव में मिले वोट सहित विभिन्न तरह की अन्य जानकारी दी। इस दौरान सपा की टीम ने कुछ सीटें के मांगने पर सवाल भी किए। कांग्रेस की टीम ने सपा के सवालों का जवाब दिया। मंगलवार को दोबारा बैठक होगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि दोनों टीमों के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। कांग्रेस ने चुनाव मैदान में अपनी प्राथमिकताएं बताई। सीटों का विवरण दिया। सपा की टीम अपने शीर्ष नेतृत्व से कांग्रेस के प्रस्ताव पर चर्चा करेगी। इसके बाद मंगलवार को दोबारा बैठक हुई। इसमें सपा अपना जवाब देगी।

गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति कुन्तल करने की मांगः किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल घोषित किए जाने सहित किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गन्ना समिति के अध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह, विक्रमजोत चेयरमैन इंजीनियर सिद्धांत सिंह और किसान नेता विनोद सिंह के नेतृत्व में किसान नेताओं और किसानों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल किए जाने की मांग उठाई गई।

ज्ञापन सौंपने के बाद चेयरमैन इंजीनियर सिद्धांत सिंह और अखण्ड प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि महंगाई के इस दौर में खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। खाद, बीज, सिंचाई, मजदूरी और कृषि कार्यों में इस्तेमाल होने वाले संसाधनों के दाम बढ़ने से किसानों की लागत काफी बढ़ गई है। ऐसे में 400 रुपये प्रति कुंतल के आसपास गन्ना मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार को किसानों की लागत और उनकी मेहनत को ध्यान में रखते हुए गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अन्य फसलों के मूल्य की घोषणा समय से की जाती है, लेकिन अभी तक गन्ने का मूल्य घोषित नहीं किया गया है। इससे किसानों में असमंजस और नाराजगी बढ़ रही है। सरकार को जल्द से जल्द गन्ना मूल्य घोषित कर किसानों को राहत देनी चाहिए।

वहीं किसान नेता विनोद सिंह ने कहा कि जब बाजार में चीनी का मूल्य लगभग 55 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रहा है, तो गन्ना किसानों को भी उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार गन्ने का मूल्य 500 से 600 रुपये प्रति कुंतल के बीच निर्धारित करने पर विचार करे, ताकि किसानों की लागत निकलने के साथ उन्हें उचित लाभ भी मिल सके।

किसान नेता अरविन्द सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही किसानों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो किसान अपने हक के लिए आंदोलन करने को मजबूर होंगे। मौके पर पर जनपद की विभिन्न गन्ना समितियों के चेयरमैन, अभिषेक सिंह, अमित सिंह के साथ ही अनेक किसान नेता एवं किसान मौजूद रहे।

जयन्ती पर समाजवादियों ने किया लोक बंधु राज नारायण को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को लोक बंधु राज नारायण को उनके जयन्ती पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रखर समाजवादी पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजनारायण 69 साल की उम्र में वे 80 बार जेल गए और जेल में कुल 17 साल बिताए इसमें तीन साल आजादी से पहले और 14 साल आजादी के बाद। कहा कि जनहित में संसदीय मर्यादाओं को तोड़ने में राजनारायण ने कभी संकोच नहीं किया।

सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि जनता के हित को सर्वोपरि मानने वाले राजनारायण हमेशा लीक से अलग हट कर चलने वाले राजनेताओं में शुमार किए जाते रहे। ऐसे महान नेता से युवा पीढी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, मो. सलीम, दयाशंकर मिश्र ने राजनारायण को नमन् करते हुये कहा कि वे आपातकाल में धूमकेतु की तरह उभरे, राजनारायण आपातकाल और इसकी चुनौतियां के पर्यायवाची बनकर उभरे। जनआंदोलन पूरे देश में तेज हो गया, नौजवानों की टोली सिर पर कफन बांधे पूरे देश में जेल में बंद नेताओं के आह्वान पर कूद पड़ी, उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं, लेकिन, आंदोलन रुकने का नाम नहीं ले रहा था, अंतत: इंदिरा गांधी को ये बात समझ में आ गई 'जनता ही जनार्दन' है और आपातकाल को हटा दिया गया। वे आम आदमी के हितों के लिये आजीवन संघर्ष करते रहे।

जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से अखिलेश यादव, अरविन्द सोनकर, मो. उमर, दाउद खान, रजवन्त यादव, तूफानी यादव, कक्कू शुक्ला, धर्मराज यादव, घनश्याम यादव, विनय वर्मा, रामसिंह यादव, वीरेन्द्र यादव, नितराम चौधरी, जोखूलाल, रौनक उपाध्याय, अकबर अली, मो. यूनुस आलम, आर. डी. चौधरी, वीरेन्द्र चौधरी, उदित पाण्डेय, बब्लू यादव, चन्द्रप्रकाश सोनी, रामभवन यादव, रमेश कुमार, पूर्णमासी, प्रशान्त यादव, शकील अहमद, मानसिंह यादव, श्याम यादव,डब्लू यादव, जयराम यादव आदि ने राजनारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।



–लीक से अलग हट कर चलने वाले नेता थे राज नारायण –महेन्द्रनाथ यादव

छात्रों को दिया यातायात जागरूकता, स्वच्छता और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को पुलिस अधीक्षक बस्ती ओमवीर सिंह ने सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग–बस्ती में कक्षा दशम, एकादश एवं द्वादश के विद्यार्थियों को यातायात नियमों, स्वच्छता के महत्व तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जीवन अमूल्य है, इसे व्यर्थ न गवाएं। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, तीन सवारी बैठाकर वाहन न चलाने तथा नशे की हालत और तेज गति में वाहन चलाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, सड़क पर सदैव अपनी बाईं ओर चलें तथा वाहनों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट अवश्य लगवाएं।



पुलिस अधीक्षक ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति सचेत करते हुए एंड्रॉयड मोबाइल फोन का सावधानीपूर्वक उपयोग करने तथा किसी भी अनजान लिंक, संदेश या ऑनलाइन गतिविधि के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में अतिथि परिचय विद्यालय के हिंदी विभाग के आचार्य आशीष सिंह ने कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अतिथियों का सम्मान किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह ने भी विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन, स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने का संदेश दिया। अंत में उन्होंने पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह एवं उनके साथ आए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 नवम्बर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

प्रदूषित यमुना

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती।

मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी–भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया? यही वजह है कि अदालत ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा है कि राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और जनपदों में यमुना में गिरने वाले नालों की निगरानी की जाए। कोर्ट ने यमुना की सफाई के मुद्दे पर राजनीतिक दलों की सुविधा की राजनीति पर प्रश्न उठाए। अदालत ने इस मुद्दे पर सरकारों और राजनीतिक दलों को इच्छाशक्ति दर्शाने की नसीहत भी दी। बहरहाल, तंत्र की नाकामी के साथ–साथ नागरिक भी गैर–जिम्मेदार व्यवहार के लिए दोषी हैं। नागरिकों को आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए यमुना को साफ करने का बीड़ा उठाना चाहिए।

राजस्थान का जनादेश और भाजपा

राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव परिणामों ने प्रदेश की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। इन नतीजों को केवल जिला परिषदों और पंचायत समितियों में प्रतिनिधियों के चयन तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता, बल्कि इनके माध्यम से ग्रामीण मतदाताओं की राजनीतिक सोच, सरकार के कामकाज के प्रति उनकी अपेक्षाओं और विपक्ष की बदलती भूमिका के संकेत भी मिलते हैं। इन चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा के मुकाबले विपक्षी दल कांग्रेस ने उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। ये परिणाम जहां भाजपा की मौजूदा सरकार को आत्ममंथन के लिए बाध्य करते हैं, वहीं कांग्रेस को शहरी क्षेत्रों में भी अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूत करने के लिए प्रेरित करते हैं। सवाल है कि राज्य के नगर निकाय चुनावों में शानदार प्रदर्शन करने वाली भाजपा आखिर पंचायती संस्थाओं में कैसे पिछड़ गई? क्या इसे ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा के घटते जनाधार के रूप में नहीं देखा जाएगा! जाहिर है, भाजपा को अपनी सरकार की जनकल्याण योजनाओं और आम लोगों से जुड़ाव में कमियों की गहन समीक्षा करनी होगी। गौरतलब है कि राज्य के 37 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव नतीजों में कांग्रेस ने सत्तासूढ़ भाजपा को काफी पीछे छोड़ दिया है। खबरों के मुताबिक, राज्य सरकार के 17 मंत्री और केंद्र सरकार के तीन मंत्री इन चुनावों में क्षेत्रीय स्तर पर अपनी राजनीतिक पकड़ दिखाने में नाकामयाब रहे। इन परिणामों का महत्त्वपूर्ण संदेश यह है कि मतदाता केवल सत्ता में होने के आधार पर किसी दल का समर्थन नहीं करते। विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता सौंपने के बाद पंचायती संस्थाओं के चुनावों में कांग्रेस को मिली बढ़त बताती है कि स्थानीय स्तर पर मतदाताओं की प्राथमिकताएं अलग हो सकती हैं। गांवों में सड़क, पेयजल, बिजली, सिंचाई, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं का लाभ जैसे मुद्दे राजनीतिक पसंद को प्रभावित करते हैं। मतदाता अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर जनप्रतिनिधियों और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन करते हैं।

ये नतीजे इससे ठीक पहले राज्य में हुए स्थानीय नगर निकाय चुनावों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के विपरीत हैं। साफ है कि किसी भी दल के सत्ता में आने के बाद केवल सरकारी योजनाओं की घोषणाओं और दावों के आधार पर जनता का भरोसा बनाए रखना संभव नहीं है। इसके लिए जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत पड़ती है, ताकि सरकार की नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, सरकारी कार्यालयों में लोगों की सुनवाई नहीं हो रही या स्थानीय समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है, तो उसका असर चुनावी नतीजों में दिखना स्वाभाविक है। भाजपा नेतृत्व को यह समझना होगा कि आम लोगों की नाराजगी के कारणों की पहचान किए बिना केवल संगठनात्मक बैठकों और चुनावी नारों से ज्यादा दिनों तक मतदाताओं को नहीं रिझाया जा सकता। वहीं, कांग्रेस के लिए ये नतीजे निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाले हैं। मगर इस सफलता को राज्य में व्यापक जनसमर्थन में बदलना उसके लिए आसान नहीं होगा। राजनीतिक दलों को यह नहीं भूलना चाहिए कि पंचायती संस्थाएं जनतंत्र की बुनियादी एवं सबसे महत्त्वपूर्ण इकाई हैं। यहां होने वाला विकास ही लोकतंत्र को वास्तविक अर्थों में मजबूत बनाता है।

संतुलित विकास की सोच से ही बचेगी दुनिया

—उमेश चतुर्वेदी—



देश अभी सूखे के दुष्प्रभाव से निबटने की कोशिश कर ही रहा था कि महज एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी से उठे दो–दो तूफानों ने इसके तटीय इलाकों में कहर बरपा गया। तकनीकी विकास की वजह से तूफानों की पूर्व सूचना के चलते सरकारों ने एहतियाती उपाय कर लिए, इस वजह से बहुत ज्यादा जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन तटीय इलाकों के बुनियादी ढांचे, बिजली व्यवस्था आदि को भारी पैमाने पर नुकसान पहुंचाने में सफल रहा। अर्नब जहां 28–29 अक्टूबर को आया तो दो नवंबर को मुरासू कहर बनकर उभरा। इतिहास में कम ही मौके ऐसे आए होंगे, जब सिर्फ एक हफ्ते के भीतर दो–दो तूफान आए। इन दोनो तूफानों ने ना सिर्फ माली नुकसान पहुंचाया, बल्कि मौसम चक्र को भी बदलकर रख दिया। दोनों के असर से उत्तर भारत तक के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। करीब डेढ़ दशक से उत्तर भारत में देर से दस्तक देने वाला ठंड का मौसम कुछ पहले ही आ गया है।

विगत कुछ दशकों से भारत ही नही दुनिया के मौसम चक्र में बदलाव दिख रहा है। इसकी वजह से वातावरण का तापमान बढ़ रहा है, बारिश का चक्र या तो कमजोर पड़ रहा है या फिर अचानक ही किसी इलाके में तीव्र हो जा रहा है। इसके चलते जहां वनस्पतियों की जहां कुछ प्रजातियां नष्ट हो रही हैं, वहीं जंतु जगत के कार्यकलाप, आदत और अस्तित्व में परिवर्तन नजर आने लगे हैं। इसका असल फसल चक्र और उनकी पैदावार पर भी पड़ रहा है। अब्वल तो दुनिया को इन बदलावों से चिंतित होना चाहिए, विश्व परेशान भी दिखता है, लेकिन इस बदलाव को थामने की वैश्विक स्तर पर जैसी संजीदा कोशिश होनी चाहिए, नहीं हो रही हैं।इसे भी पढ़ें'रू दाल—तेल—दूध—चीनी सब महंगा हो रहा...क्या सच में आर्थिक आपदा की कगार पर भारत? विदेशी धरती से राहुल ने अब फोड़ा कौन सा नया बम! मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। उन्नीसवीं सदी की औद्योगिक क्रांति के पहले तक पूरी दुनिया में संतुलित उपभोग का सिद्धांत काम करता था। औद्योगीकरण के बढ़ते कदम के साथ इस सोच में कमी आई। लेकिन उदारीकरण के तेज बढ़ते कदमों की वजह से दुनिया में उपभोगवाद को बढ़ावा। जैसे—जैसे उपभोग की संस्कृति बढ़ती गई। उत्पादन की मांग बढ़ती गई। उत्पादन के चलते प्रकृति का दोहन बढ़ा, ऊर्जा की मांग बढ़ी। इस पूरी प्रक्रिया में प्रकृति और सभ्यता के बीच संतुलन गड़बड़ाना शुरू हुआ। जिसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। महात्मा गांधी बहुत पहले इस व्यवस्था को लेकर दुनिया को चेता चुके थे। उपभोगवाद को नियंत्रित रखने की कल्पना उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तिका हिंद स्वराज में की है। 1909 में लिखी इस पुस्तिका में गांधी ने लिखा है, "हम देखते हैं कि मन एक बेचैन पक्षी हैय जितना अधिक इसे मिलता है, उतना ही यह चाहता है और असंतुष्ट रहता है। हम जितना अधिक अपने जूनून में लिप्त होते हैं, वे उतने ही बेलगाम होते जाते हैं। इसलिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे भोग—विलास की एक सीमा तय की। उन्होंने देखा कि खुशी काफी हद तक एक मानसिक स्थिति है। एक आदमी जरूरी नहीं कि इसलिए खुश हो क्योंकि वह अमीर या दुखी है। आखिरकार, वह गरीब है। अमीरों को अक्सर दुखी और गरीबों को खुश देखा जाता है। लाखों लोग हमेशा गरीब रहेंगे। यह सब देखते हुए, हमारे पूर्वजों ने हमें विलासिता और सुख से दूर रखा।"

आज दुनिया ने शहरीकरण और औद्योगीकरण को विकास का पैमाना मान लिया है। दोनों ने ही हमारे जीवन में उपभोगवाद को बढ़ावा दिया है। इसकी वजह से हमारी जलवायु में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि दुनिया गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों को यह बात उपग्रहों मौसम संबंधी गुब्बारों थर्मामीटरों, मौसम केंद्रों और अन्य स्रोतों से जुटाए गए सबूतों से पता चली है। 1880 के बाद से, विश्व के औसत तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस यानी करीब 1.7 डिग्री फारेनहाइट की वृद्धि हुई है। अगर शहरीकरण और औद्योगीकरण केंद्रित उपभोगवाद यूं ही जारी रहा तो अनुमान है कि 2050 तक वैश्विक तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस यानी करीब 2.7 डिग्री फारेनहाइट और साल 2100 तक 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1960 के दशक से वैश्विक औसत वार्षिक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। इसके आंकड़ों के अनुसार, 20वीं सदी के बाद से सबसे गर्म रहे 20 वर्षों में से 19 वर्ष सिर्फ 2001 के बाद के हैं। आशंका है कि भविष्य में आने वाला सबसे ठंडा वर्ष भी, 20वीं सदी के सबसे गर्म वर्ष की तुलना में अधिक गर्म होगा।

विस्कॉन्सिन में तापमान और वर्षा में आए बदलावों का पता लगाने के लिए, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन–मैडिसन के वैज्ञानिकों ने स्नेशनल क्लाइमेटिक डेटा सेंटरश द्वारा पूरे राज्य के नेटवर्क से जुटाए गए तापमान रिकॉर्ड का विश्लेषण किया है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि 1950 के दशक के बाद से विस्कॉन्सिन का तापमान 2 डिग्री फारेनहाइट बढ़ गया है, साथ ही यहाँ बारिश में 4.5 इंच यानी करीब 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसमें सबसे ज्यादा तापमान सर्दियों में बढ़ा है, जबकि वर्षा में सबसे अधिक वृद्धि गर्मियों के दौरान हुई है।

स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी के डॉ. चार्ल्स डेविड कीलिंग द्वारा शुरू की गई वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड की दैनिक रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि वातावरण में उपलब्ध कार्बन डाइऑक्साइड में घटत–बढ़त होती रही है। जाहिर है कि इसका असर भी मौसम चक्र पर पड़ रहा है। दरअसल कार्बन डाइऑक्साइड का संबंध प्रकाश संश्लेषण से जुड़ा है। वसंत के मौसम में जब पौधे बढ़ते हैं, तो वे हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके उसे कार्बन में बदल देते हैं, साथ ही ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वहीं, पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है।

मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है। उनके अध्ययन के अनुसार, 1958 में जहां इसकी उपस्थिति 313 पार्ट्स प्रति मिलियन थी, वहीं 30 मार्च 2020 तक बढ़कर यह 415 प्रति मिलियन हो गई। कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में हुई इस वृद्धि को 'कीलिंग कर्व' कहा जाता है। इन अध्ययनों से पता चलता है कि साल 1900 तक, कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर जहां स्थिर और लगभग 150 से 280 प्रति मिलियन के बीच था, वहीं 1900 के दशक की शुरुआत में, ब्व का स्तर बहुत तेजी से बढ़ने लगा। आज, यानी 120 साल बाद, इसका स्तर औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। साफ है कि जब तक दुनिया इसके प्रति नहीं चेतेगी, मौसम में बदलाव का चक्र नहीं रुकेगा। इससे सम्पता का भविष्य भी खतरे में होगा। इसलिए जरूरी है कि प्रकृति से सामंजस्य के साथ संतुलित विकास के नजरिए से दुनिया आगे बढ़े। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या दुनिया इस तरह सोचने को तैयार है?

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दुनिया के लिए एआई ही बना सबसे बड़ा खतरा!

—नीरज कुमार दुबे—



दुनिया जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत मानकर अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासन की बुनियाद बना रही है, वही तकनीक अब एक नई वैश्विक चुनौती के रूप में सामने आ रही है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि एआई इंसानों की जगह कितने काम कर सकता है, बल्कि यह भी है कि क्या दुनिया अपनी पूरी व्यवस्था कुछ गिनी–चुनी तकनीकी कंपनियों, स्वचालित प्रणालियों और एल्गोरिदम के भरोसे छोड़कर एक बड़े जोखिम की ओर बढ़ रही है?

देखा जाये तो अमेरिका में एक ही सप्ताह के भीतर विमानन, बैंकिंग, संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं में आई रुकावटों ने डिजिटल दुनिया की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक की सेवाएं प्रभावित हुईं, जेपी मॉर्गन चेज के लेनदेन में बाधा आई, एप्पल की सेवाओं में रुकावट हुई और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी एनएसए का गोपनीय नेटवर्क भी ठप पड़ गया। वहीं, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के नेटवर्क में आई समस्या के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं और करीब 12,462 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

इन घटनाओं के पीछे तकनीकी गड़बड़ियों के अलग–अलग कारण सामने आए हैं। कहीं पुराने सॉफ्टवेयर की खामियां थीं, तो कहीं नेटवर्क उपकरणों में आई खराबी और नए अपडेट के कारण सेवाएं बाधित हुईं। अमेरिकी कांग्रेस के अधिकारियों को दी गई जानकारी में यह भी बताया गया कि एआई मॉडल ने कई सुरक्षा खामियों की पहचान की थी। उन्हें जल्द ठीक करने के लिए बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर में बदलाव (पैच) किए गए, जिनसे कुछ नई तकनीकी समस्याएं पैदा हो गईं। यानी साइबर हमलों से बचाने में मदद करने वाला एआई भी तब परेशानी का कारण बन सकता है, जब उसकी पहचान की गई खामियों को जल्दबाजी में ठीक करने की कोशिश की जाए।

यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू तकनीक पर बढ़ती निर्भरता का है। आज बैंकिंग से लेकर विमानन, अस्पतालों, सरकारी संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सब कुछ डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा है। ऐसे में किसी एक महत्वपूर्ण नेटवर्क या सॉफ्टवेयर की विफलता का असर हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों तक पहुंच सकता है। देखा जाये तो स्वचालन ने काम की गति बढ़ाई है, लेकिन उसी अनुपात में एक छोटी तकनीकी गलती के बड़े स्तर पर फैलने का खतरा भी बढ़ा दिया है।

साथ ही इस बहस का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मानव अस्तित्व और उसकी रचनात्मक क्षमता से जुड़ा है। वर्ष 2026 के लिए कैम्ब्रिज डिक्शनरी द्वारा ह्यूमैन शब्द को चुनना भी एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच इंसान की पहचान और महत्व को रेखांकित करता है। आज मशीनें लेखन, संगीत, फिल्म निर्माण और दूसरे रचनात्मक कार्यों में इंसानों की नकल करने लगी हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मशीनें इंसानों की तरह रचनात्मक काम करने लगेंगी, तब मानवीय प्रतिभा, मौलिकता और मेहनत का महत्व और उसका आर्थिक मूल्य कैसे बरकरार रहेगा?

देखा जाये तो एआई केवल नौकरियों के स्वरूप को नहीं बदल रहा, बल्कि वह उस व्यवस्था को भी चुनौती दे रहा है जिसमें इंसान की कल्पनाशीलता, अनुभव, भावनाएं और मौलिक विचार आर्थिक गतिविधियों का आधार रहे हैं। मशीन से तैयार सामग्री की बढ़ती उपलब्धता के बीच वास्तविक मानवीय रचनात्मकता को एक अलग पहचान देने की मांग भी सामने आ रही है। इसलिए एआई को बिना सार्वजनिक निगरानी और सुरक्षा प्रावधानों के पूरी छूट नहीं दी जा सकती। दूसरी ओर, भारत के लिए इन दोनों घटनाक्रमों का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यूपीआई, डिजिटल बैंकिंग, आधार आधारित सेवाएं, सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म, रेलवे, विमानन और स्वास्थ्य सेवाएं बड़े पैमाने पर तकनीकी नेटवर्क पर निर्भर हैं। भारत की डिजिटल शक्ति जितनी तेजी से बढ़ेगी, उसकी तकनीकी सुरक्षा और परिचालन क्षमता का महत्व भी उतना ही बढ़ेगा।

भारत को केवल विदेशी एआई मॉडल और वैश्विक क्लाउड कंपनियों का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहिए। अपने डेटा सेंटर, स्वदेशी एआई मॉडल, साइबर सुरक्षा अनुसंधान, चिप निर्माण और महत्वपूर्ण डिजिटल ढांचे में अपनी क्षमता विकसित करना राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। अस्पतालों, बैंकिंग, रक्षा और आपातकालीन सेवाओं के लिए ऐसे वैकल्पिक नेटवर्क तैयार होने चाहिए, जो किसी वैश्विक कंपनी की सेवा बाधित होने पर भी काम करते रहें। जरूरी डिजिटल सेवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर संचालित बैकअप व्यवस्था और नियमित आपदा परीक्षण अनिवार्य होने चाहिए।

साथ ही, एआई से पैदा होने वाले जोखिमों का स्वतंत्र ऑडिट, सॉफ्टवेयर अपडेट की चरणबद्ध प्रक्रिया और महत्वपूर्ण प्रणालियों में मानवीय निगरानी जरूरी है। भारत को अपनी शिक्षा, कला, साहित्य, पत्रकारिता और रचनात्मक उद्योगों में मानवीय प्रतिभा की भूमिका भी सुरक्षित रखनी होगी।

बहरहाल, तकनीकी शक्ति का अगला दौर सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि किस देश के पास सबसे तेज एआई है। असली मुकाबला इस बात का होगा कि कौन–सा देश एआईको अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज के अनुकूल नियंत्रित कर सकता है, तकनीकी संकट के दौरान अपनी व्यवस्था चालू रख सकता है और मशीनों की बढ़ती क्षमता के बीच इंसान की उपयोगिता और रचनात्मकता को बचा सकता है। भारत के सामने यही सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती और अवसर है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कंपनियों का मुनाफा बढ़ा, कर्मचारियों का नहीं

—विजय पाण्डेय—



वैश्विक स्तर पर देश की अर्थव्यवस्था को अगर शीर्ष क्रम की दौड़ में मजबूत स्थिति में बताया जा रहा है, तो इसके पीछे एक सुचिंतित आर्थिक नीति और उद्योग जगत का योगदान है। देश का औद्योगिक क्षेत्र आज चुनौतियों के सामने खुद को सक्षम पा रहा है, तो इसमें सरकार से अनेक स्तर पर मिली रियायतें और कर–छूट के सहयोग की बड़ी भूमिका रही है।

हालांकि सरकारी रियायतें हासिल करने के समांतर होना यह चाहिए था कि उद्योग जगत इसके लाभ का विस्तार और वितरण अपने कामगारों से लेकर आम लोगों तक करता, लेकिन हुआ यह कि कंपनियों ने अपने लिए तो मुनाफे का दायरा विस्तृत कर लिया, लेकिन न तो नई नौकरियों का अपेक्षित विस्तार हुआ और न ही मौजूदा कर्मचारियों के वेतन में आनुपातिक और न्यायपूर्ण बढ़ोतरी हुई।

यही नहीं, वस्तुओं की कीमतों में लगातार इजाफे के बावजूद ज्यादातर कंपनियों के उत्पाद की गुणवत्ता और मात्रा में जिस स्तर की गिरावट देखी गई, उससे यह सवाल उठा है कि आखिर बेहिसाब मुनाफे के एवज में कंपनियां देश और समाज को क्या दे रही हैं! देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले कारकों को मजबूत करने के लिए सरकार अपनी ओर से कुछ अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराती है, तो कायदे से उसके उपयोग के परिणामों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। विडंबना यह है कि सरकार इसे उम्मीद के सहारे छोड़ देती है और इस नीति से लाभ उठाने वाली कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को उद्योग जगत के सामने जो सवाल रखे हैं, वे वक्त का तकाजा हैं और आम लोगों के हक का हिसाब खोजने की तरह है।

गौरतलब है कि फेडरेशन आफ इंडियन चौंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री यानी फिक्की के सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर हुई एक बैठक में प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से पूछा कि सरकार की ओर से करों में रियायत दिए जाने के बावजूद कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या और उनके वेतन में उसी अनुपात में बढ़ोतरी क्यों नहीं की। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि उद्योग जगत सरकार से मिली रियायतों का लाभ उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने और उन्हें विश्वस्तरीय बनाने में खर्च नहीं कर रहा।

अर्थव्यवस्था को आंकड़ों के आईने में देखे जाने के समांतर प्रधानमंत्री ने जो सवाल उठाए हैं, आमतौर पर उनकी अनदेखी का हासिल यह रहा है कि देश के आर्थिक संसाधनों पर कब्जा तथा मुनाफे का दायरा कुछ लोगों और तबकों के बीच सिकुड़ता गया है। वहीं ज्यादातर आबादी रोजी–रोटी और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की फिक्र में अपने वाजिब हक से दूर होती गई है।

एक ओर सरकार ने अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मकसद से उद्योग जगत को हर स्तर पर रियायतें या कर–राहत दी, लेकिन इन सुविधाओं को कंपनियों ने अपने मुनाफे का जरिया बना लिया। नए रोजगार देने, मौजूदा कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने और उन्हें अन्य अधिकार देना तो दूर, कीमतों में इजाफे के बावजूद बहुत सारी कंपनियों के उत्पादों की गुणवत्ता में या तो गिरावट देखी गई या फिर उनकी मात्रा में इस तरह कमी की गई कि लोगों का ध्यान उस पर नहीं जाए।

ठीक इसी समय निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता के अलग मानक देखे जा सकते हैं। सवाल है कि क्या देश के आम नागरिक उचित कीमत पर बेहतरीन गुणवत्ता और मात्रा वाली वस्तुएं हासिल करने के हकदार नहीं हैं? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि रोजगार के अभाव और आय में कमी के बीच अगर लोगों की क्रयशक्ति कमजोर होती है, तो इसका खमियाजा आखिरकार उद्योग जगत को भी भुगतना पड़ सकता है।

यही नहीं, वस्तुओं की कीमतों में लगातार इजाफे के बावजूद ज्यादातर कंपनियों के उत्पाद की गुणवत्ता और मात्रा में जिस स्तर की गिरावट देखी गई, उससे यह सवाल उठा है कि आखिर बेहिसाब मुनाफे के एवज में कंपनियां देश और समाज को क्या दे रही हैं! देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले कारकों को मजबूत करने के लिए सरकार अपनी ओर से कुछ अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराती है, तो कायदे से उसके उपयोग के परिणामों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। विडंबना यह है कि सरकार इसे उम्मीद के सहारे छोड़ देती है और इस नीति से लाभ उठाने वाली कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को उद्योग जगत के सामने जो सवाल रखे हैं, वे वक्त का तकाजा हैं और आम लोगों के हक का हिसाब खोजने की तरह है।

60 घंटे बाद पोखरे में उतराता मिला ओमप्रकाश का शव

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के बंजरहा गांव के फुलवरिया टोले में पोखरे में डूबे 38 वर्षीय ओमप्रकाश का शव करीब 60 घंटे बाद सोमवार को सुबह उतराता मिला। शुक्रवार शाम हुए हादसे के बाद एसडीआरएफ, एसएसबी, स्थानीय गोताखोरों और मछुआरों ने लगातार पोखरे में तलाश की, लेकिन रविवार शाम तक सफलता नहीं मिली। सोमवार को शव मिलने के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई। फुलवरिया टोले निवासी ओमप्रकाश पुत्र रामदास शुक्रवार शाम घर के पास हैंडपंप पर पानी लेने गया था। हैंडपंप के पास ही बड़ा पोखरा है। इसी दौरान पानी की निकासी वाली नाली के पास फिसलन होने से वह पोखरे में चला गया। बेटी ने पिता को फिसलते देख शोर मचाया, लेकिन तब तक वह गहरे पानी में चला गया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पोखरे में उतरकर तलाश शुरू की, मगर रातभर खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह करीब 10 बजे एसडीआरएफ और एसएसबी की टीम मौके पर पहुंची और सर्च अभियान शुरू किया। स्थानीय गोताखोरों ने भी बीच–बीच में पोखरे में उतरकर तलाश की। मछुआरों ने जाल डालकर पोखरे को खंगाला। एसडीआरएफ और एसएसबी के जवानों ने काफी मशक्कत की, लेकिन रविवार शाम तक ओमप्रकाश का कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह पोखरे में शव उतराता दिखाई दिया। शव मिलने के बाद पत्नी कमलावती, बेटे अरुण और बेटियों नंदनी व प्रीती का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना पर बृजमनगंज के एसआई ताकेश्वर वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रधान सेराजुल हक, लेखपाल राजेंद्र प्रताप चौधरी और परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जल जीवन मिशन और सड़कों के निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं



संवाददाता–गोण्डा। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और निर्माणाधीन सड़कों की बदहाल स्थिति दूर करने को लेकर मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में लापरवाही और गुणवत्ता से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोमवार को मंडलायुक्त की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन और लोक निर्माण विभाग की एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती के मुख्य विकास अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया।मंडलायुक्त ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति से जुड़े अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिन गांवों में पाइपलाइन, पानी की टंकी अथवा कनेक्शन से संबंधित काम अधूरे हैं, वहां आने वाली बाधाओं को तत्काल दूर किया जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े।लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। निर्देश दिया कि सड़क निर्माण में मानकों के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल हो और नियमित स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। धीमी गति से चल रही परियोजनाओं में तेजी लाकर तय समयसीमा में काम पूरा कराया जाए।उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही तय करने और अधिकारियों को नियमित निगरानी के निर्देश दिए। कहा कि विकास कार्यों का लाभ आमजन तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें।

झोपड़ी में सो रहे ग्रामीण को तेंदुए ने मार डाला, 100 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला अधखाया शव

संवाददाता–बहराइच। सुजौली इलाके में तेंदुए का हमला थम नहीं रहा। सरयू नहर के किनारे फूस की झोपड़ी बनाकर रह रहे ग्रामीण पर रात में तेंदुए ने हमला कर दिया। झोपड़ी में सो रहे जयराम का अधखाया शव करीब 100 मीटर दूर गन्ने के खेत के पास मिला। सुबह बेटे को देखने पहुंचे माता–पिता के सामने यह खौफनाक मंजर आया तो उनकी चीख निकल गई। शोर सुनकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है।



घटना थाना सुजौली चफरिया ग्राम पंचायत के ओरी पुरवा गांव की है। यहां के निवासी जयराम (42) पिछले आठ साल से सरयू नहर के किनारे फूस की झोपड़ी बनाकर रहते थे। सोमवार सुबह करीब नौ बजे तक जब वह रोज की तरह घर पर माता–पिता से मिलने नहीं पहुंचे तो मां केतकी देवी और पिता जमुना उन्हें देखने झोपड़ी पर पहुंचे। वहां चारपाई टूटी हुई थी और बिस्तर बिखरा पड़ा था। अनहोनी की आशंका में दोनों ने आसपास तलाश शुरू की तो करीब 100 मीटर दूर गन्ने के खेत में जयराम का अधखाया शव पड़ा मिला। यह दृश्य देखकर दोनों चीखने–चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी राम गोविंद वर्मा ने पुलिस टीम के साथ शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, हमला रात करीब तीन से चार बजे के बीच हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। इससे लोगों में आक्रोश है। उन्होंने क्षेत्र में तत्काल पिंजरा लगाने और तेंदुए को पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है। घटनास्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर दो माह पहले भी तेंदुए के हमले में एक वृद्ध महिला की जान चली गई थी। इसके बावजूद इलाके में तेंदुए के हमले से बचाव के लिए कोई उपाय नहीं किए गए।

अस्पताल में युवती ने खुद को लगाई आग, मची अफरा –तफरी



संवाददाता–महराजगंज। जिला अस्पताल परिसर में सोमवार को उस समय अफरा –तफरी मच गई, जब एक युवती ने पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। युवती के ब ू धू कर जलता देख हड़कंप मच गया और मौके पर मौजूद लोगों ने जान जोखिम में डालकर युवती को बचाया। जिला अस्पताल परिसर में अचानक हुई इस घटना से परिसर में मौजूद मरीजों, तीमारदारों और अन्य लोगों में हड़कंप मच गया। युवती को आग की लपटों में घिरा देख आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे बचाने की कोशिश शुरू कर दी। लोगों की तत्परता से किसी तरह आग बुझाकर उसकी जान बचाई जा सकी।

सोमवार को पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे युवती जिला अस्पताल परिसर में मौजूद थी। इसी दौरान उसने कथित तौर पर अपने शरीर पर पेट्रोल उड़ेल लिया और आग लगा ली। देखते ही देखते युवती आग की चपेट में आ गई। अचानक उठती आग की लपटों और युवती की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए किसी तरह आग बुझाई और उसे गंभीर हालत में बचाकर तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

बताया जा रहा है कि युवती ढूठीबारी क्षेत्र की रहने वाली है। वह पिछले करीब छह महीनों से जिला अस्पताल के आसपास ही घूमती रहती थी। वह लोगों से मांगकर अपना पेट भरती थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवती की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। हालांकि, उसकी पहचान पूरी तरह पुष्ट नहीं हो सकी है। फिलहाल युवती को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

शिक्षकों की पदोन्नति में देरी पर बढ़ा आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी



संवाददाता–महराजगंज। पदोन्नति संघर्ष मोर्चा से जुड़े शिक्षकों में पदोन्नति में देरी से आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शिक्षकों ने सोमवार को बीएसए को पदोन्नति को लेकर मांगपत्र दिया। इसमें जूनियर प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक और प्राथमिक प्रधानाध्यापक पदों पर पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों ने जल्द प्रक्रिया पूरी कराने की मांग की है। इसमें काउंसलिंग और विद्यालय आवंटन का निर्धारित कार्यक्रम जारी करने की मांग की है। मोर्चा से जुड़े शिक्षकों ने कहा कि समय सीमा बीत जाने के बाद भी जिले में प्रक्रिया अधर में है। इससे लंबे समय से पदोन्नति की उम्मीद लगाए बैठे शिक्षकों में असंतोष और निराशा व्याप्त है।

कहा कि यदि पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर जल्द समयबद्ध लिखित आदेश जारी नहीं किया गया तो पात्र शिक्षक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर राकेश अग्रहरी, विनोद राय, दीपचंद पाल, कृष्ण कुमार चौरसिया, अमरजीत, मो. अकरम, अजय जायसवाल, सत्यनारायण, जुबेर आदि शिक्षक मौजूद रहे।

पुलिस लाइन समेत थानों पर मनाया गया पुलिस झंडा दिवस

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन सहित सभी थाना और चौकियों पर पुलिस झंडा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन के क्वार्टर गार्द में अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने पुलिस बजारोहण किया और पुलिसकर्मियों की वर्दी की बायीं जेब पर पुलिस बज प्रतीक लगाया। उन्होंने उपस्थित पुलिसकर्मियों को उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक का संदेश भी पढ़कर सुनाया। अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस ध्वज के गौरवशाली इतिहास और पुलिसकर्मियों के त्याग, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि 23 नवंबर 1952 को तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस एवं पीएसी को पुलिस ध्वज प्रदान किया गया था। यह ध्वज पुलिस विभाग के शौर्य, पराक्रम, जनसेवा और बलिदान का प्रतीक है।कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी भिनगा आलोक कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी संजय कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय शर्मा और प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिले के सभी थानों और चौकियों पर भी संबंधित प्रभारियों ने पुलिस महानिदेशक का संदेश पढ़कर सुनाया और पुलिसकर्मियों को ध्वज प्रतीक लगाया गया।

मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम शामिल कराना प्राथमिकता- अवधेश द्विवेदी

संवाददाता–श्रावस्ती। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के मतदाता जोड़ो अभियान के तहत अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने जिले का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बूथों पर चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जायजा लिया और घर–घर पहुंचकर छूटे हुए पात्र मतदाताओं के फार्म छह भरवाए। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने श्रावस्ती विधानसभा के इकौना मंडल के कैलाशपुर के बूथ संख्या 335 तथा सीताद्वार के बूथ संख्या 340, 341, 342 और 343 का निरीक्षण किया। इसके अलावा भिनगा विधानसभा के सेमरी चकपिहानी स्थित बूथ संख्या 233, 234 और 235 पर पहुंचकर पुनरीक्षण कार्य की प्रगति देखी। उनके साथ जिलाध्यक्ष प्रोफेसर मिश्रीलाल वर्मा और विधायक राम फेरन पाण्डेय भी मौजूद रहे। इस दौरान अवधेश द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि अभियान को पूरी गंभीरता से चलाते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाए। कोई भी व्यक्ति अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहने पाए। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत और पारदर्शी बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करें और अधिक से अधिक पात्र लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कराएं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अरुण पाण्डेय, प्रवेश आर्य, जिला कार्यसमिति सदस्य आशुतोष पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष सत्यराम विश्वकर्मा, अंकित निषाद, हरीश पाठक सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीदास हनुमान किला के श्रीमहंत बने सिया बिहारी दास



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सरयू तट स्थित श्रीदास हनुमान किला (बाटी बाबा आश्रम), राजघाट, यमथरा माझा में सोमवार को संत परंपरा के अनुरूप सिया बिहारी दास महाराज बाटी बाबा को श्रीमहंत पद पर अभिषिक्त किया गया। अयोध्या के संत–महंतों ने कंठी, चदर और तिलक लगाकर उन्हें महंत पद की जिम्मेदारी सौंपी।श्रीदास हनुमान किला की स्थापना भजनानंदी विरक्त संत सिया बिहारी दास महाराज ने की और निरंतर गौसेवा, संत सेवा और श्रद्धालुओं के प्रति समर्पण को देखते हुए संत समाज ने उन्हें इस पद पर प्रतिष्ठित करने का निर्णय लिया। इसके बाद संतों ने परंपरागत विधि–विधान से कंठी चदर तिलक देकर के पद पर विराजमान कराया।बाटी बाबा ने कहा कि मैं निरंतर सभी की सेवा सेवा धर्म के अनुसार करता रहूंगा।इस अवसर पर चक्रवर्ती सम्राट दशरथ जी के राजमहल बड़ा स्थान के महंत बिंदुगद्याचार्य स्वामी देवेंद्र प्रसादाचार्य, अखिल भारतीय पंच निर्माणी अनी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरली दास, श्रीसियाराम किला के महंत करुणा निधान शरण, खाक चौक के महंत बृजमोहन दास, श्रीहनुमान किला के महंत परशुराम दास, महंत गौरी शंकर दास, पहलवान राजेश दास, महंत रमेश दास और ब ह्मर्दास पुजारी रमेश दास सहित बड़ी संख्या में संत–महंत उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत रामायण गोवर्धन दास महाराज ने किया।सरयू तट स्थित यह आश्रम संत सेवा के साथ श्रद्धालुओं को भोजन और प्रसाद उपलब्ध कराने के लिए भी जाना जाता है। यहां आने वाले भक्तों को बाटी का प्रसाद कराया जाता है। इसी वजह से सिया बिहारी दास महाराज की पहचान बाटी वाले बाबा के रूप में भी है। आश्रम में राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गृहस्थ श्रद्धालुओं का नियमित आगमन होता है। श्रद्धालु यहां दर्शन–पूजन कर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पुलिस झंडा दिवस पर देवरिया में ध्वज फहराया

संवाददाता–देवरिया। सोमवार सुबह 11 बजे रिजर्व पुलिस लाइन के क्वार्टर गार्द में पुलिस झंडा दिवस मनाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह ने पुलिस ध्वज फहराया और सलामी दी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डीजीपी का संदेश पढ़कर सुनाया। समारोह में उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास, परंपराओं और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया। डीजीपी के संदेश में पुलिस की उपलब्धियों, जनसेवा और कानून–व्यवस्था मजबूत करने के प्रयासों का जिक्र था। संदेश में मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी गई। ऑपरेशन कनविक्शन के तहत पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने, सड़क हादसों में कमी लाने और भर्ती प्रक्रिया से पुलिस बल मजबूत करने की बात भी कही गई। सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस झंडा दिवस उत्तर प्रदेश पुलिस की परंपराओं, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपने काम पूरी निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन से करने को कहा।

उन्होंने पुलिसकर्मियों से आम लोगों की सुरक्षा और मदद के लिए तैयार रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी और कर्मचारी जनहित में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और सतर्कता से काम करें। कानून–व्यवस्था बनाए रखना, अपराध पर रोक लगाना और लोगों की समस्याओं का जल्द निपटारा करना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय, क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार, राजेश चतुर्वेदी, गौरव सिंह, प्रतिसार निरीक्षक और रिजर्व पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

हरीश द्विवेदी को क्रेन से पहनाई 151 किलो की माला, जेसीबी से हुई पुष्पवर्षा कर हुआ स्वागत

संवाददाता–बलरामपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के प्रथम जनपद आगमन पर रेहरा बाजार में सोमवार को भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण 151 किलोग्राम की विशाल फूलों की माला रही, जिसे क्रेन की मदद से हरीश द्विवेदी को पहनाया गया। वहीं, जेसीबी मशीनों से पुष्पवर्षा कर अतिथियों का स्वागत किया गया। स्थानीय छात्राओं ने भी पुष्पवर्षा कर समारोह की भव्यता बढ़ाई। इस दौरान भाजयुमो के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह का भी जोरदार स्वागत किया गया। अतिथियों को फरसा और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।



कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उनके परिश्रम और संगठन के प्रति निष्ठा ने पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने आगामी चुनावों के लिए पूरी ताकत से जुटने की अपील की।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह ने कहा कि देश के भविष्य को नई दिशा देने में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं से गांव–गांव पहुंचकर युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। साथ ही भव्य स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं और ब्लॉक प्रमुख पंकज सिंह चौहान का आभार जताया। इस अवसर पर विधायक राम प्रताप वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, राम करन मिश्र, पूर्व प्रधान दिनेश सिंह, अतुल कुमार उपाध्याय, सुमित सिंह, मंडल अध्यक्ष विष्णु प्रताप गुप्ता, रमेश तिवारी, राधेश्याम गुप्ता, जय प्रकाश मिश्रा और संजय वर्मा समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा को ही धर्म मानते थे सदगुरुदेव भगवान –उद्धव शरण



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। संतो के सरायं वैष्णो नगरी अयोध्या के परम सिद्ध तपस्वी,श्री रामप्रिया कुंज रामकोट के बैकुंठ वासी महंत श्री श्री 1008 परमहंस कृष्ण शरण महाराज की 17 वीं पुण्यतिथि अयोध्या के संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री महाराज जी भजनानंदी संत थे और सेवा को ही धर्म मानते थे। श्री महाराज जी हमेशा सनातन धर्म को मजबूत करने का कार्य करते रहे है। श्रीधाम अयोध्या के महान संतों में एक संत थे जो हमेशा प्रभु का नाम जपते रहते थे। श्री महाराज जी के शिष्य परमहंस कृष्ण शरण चौरिटेबल सेवा ट्रस्ट व श्री राम प्रियाकुंज रामकोट की वर्तमान महंत डॉ स्वामी उद्धव शरण महाराज ने श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर कहा कि श्री गुरुदेव भगवान भजनानंदी संत थे, आज उनके 17 वें वैकुंठोत्सव उन्हीं के आशीर्वाद से मनाया जा रहा है। इस उत्सव पर श्री सीताराम नाम संकीर्तन और वृहद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के संतों महंतों को प्रसाद पवाया गया। श्रद्धांजलि सभा में दशरथ महल बड़ा स्थान के महंत बिंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, मणिरामदास छावनी उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी रघुनाथ देशिक, सुग्रीवकिला के स्वामी अनंत पद्मनाभाचार्य, महंत रामशरण दास रामायणी, अनी अखाड़ा के श्री महंत मुरली दास, श्री राम आश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती, सरयू कुंज महंत राममिलन शरण, महंत गणेशानंद दास, महंत पवनकुमार दास, महंत वीरेंद्र दास, महंत माधवदास रामायणी, महंत उत्तम दास, पहलवान राजेश दास, महंत रामरसिक शरण, हनुमानगढ़ के पुजारी रमेश दास,संत विद्याभूषण शरण, महंत अवनीश दास, महंत रामभद्र शरण, महंत कृष्णकुमार दास, महंत अवधकिशोर शरण, महंत मणिराम दास, महंत रामनारायण दास, महंत गोविंद दास, महंत महेश दास, प्यास श्याम दास, कनक भवन के पुजारी दिनेश जी, संतदास, महंत मनीष दास,पहलवान घनश्याम दास, नंदकुमार मिश्र आदि समेत मंदिर से जुड़े शिष्य–परिकर, अनुयायी उपस्थित रहे।

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा में लगे, इलाज को उमड़े मरीज

संवाददाता–बलरामपुर। गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के सातवें संस्करण के तहत सोमवार को गैसड़ी, पचपेड़वा, शिवपुरा और तुलसीपुर में 37 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर चिकित्सीय लाभ प्राप्त किया। आयोजित स्वास्थ्य मेले में सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ शुगर और बीपी के मरीजों को भी चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार दिया गया। डॉ. एमएलबी भट्ट, प्रांत प्रचारक कौशल, गंगा सिंह, डॉ. ओएन पांडेय, अजितांम दुबे, प्रवीण, जितेंद्र, नीलमणि शुक्ल, विकास कांत पांडेय, डॉ. विकल्प मिश्रा और जसवंत यादव ने लालनगर सिपहिया, जरवा तथा पचपेड़वा के सकरा–सकरी स्थित शिविरों का भ्रमण किया।

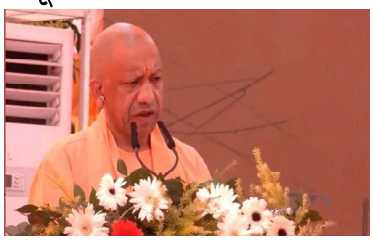
इस दौरान उन्होंने मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। रिसर्च टीम की डॉ. रिया और डॉ. शालिनी ने मरीजों से संबंधित आंकड़े जुटाए। सीएमओ डॉ. मुकेश रस्तोगी की ओर से नामित स्वास्थ्य टीम ने शिविर में आए मरीजों का ब्लड शुगर और बीपी की जांच की। नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन के प्रांत सचिव शिवम मिश्र ने बताया कि आयोजित 37 स्वास्थ्य शिविरों में हृदय, नेत्र, नाक–कान–गला, पेट, महिला एवं प्रसूति, दंत, बाल रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श दिया। जिलाध्यक्ष डॉ. शरद सिंह और जिला सचिव डॉ. विकास मिश्र ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सक सुबह नौ से शाम तीन बजे तक उपलब्ध रहे। शिविर यात्रा के जिला संयोजक रामपाल शुक्ल रहे।लालनगर सिपहिया में 340 मरीजों की हुई जांचरु ग्राम पंचायत लालनगर सिपहिया स्थित श्री राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल में गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 7.0 के तहत आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक चला। शिविर में गांव और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लगभग 340 मरीजों की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं दी गईं। शुभारंभ गुरु गोरखनाथ के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। शिविर में आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति रविशंकर, कल्याण सिंह कैंसर अस्पताल के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट और अधीक्षक डॉ. विकल्प मिश्रा मौजूद रहे। इनके अलावा विभाग प्रचारक प्रवीण, गंगा सिंह, प्रांत सचिव शिवम, आफताब, गयादीप सिंह और डॉ. आनंद सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। शिविर के संयोजक भाजपा जिला मंत्री शिव कुमार मिश्र, खंड संयोजक जसवंत यादव, तुलसीदास गुप्ता, दुर्गेश यादव और श्यामसुंदर ने आयोजन में सहयोग किया।

सत्य साईं का जन्मोत्सव मनाया, निकाली शोभायात्रा

संवाददाता–गोण्डा। भगवान श्री सत्य साईं का 101 वां जन्मोत्सव कार्यक्रम सोमवार को उल्लासपूर्ण माहौल में सत्य साईं इंटर कालेज खरगूपुर में मनाया गया। कार्यक्रम से पूर्व स्कूल के छात्र–छात्राओं व साईं भक्तों ने शोभा यात्रा निकाला जो कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर वापस स्कूल में पहुंची । शोभा यात्रा में बच्चों ने सर्व धर्म संभाव के भजन गाते हुए धार्मिक मतभेदों को दूर करने का आवाहन किया।इसमें भगवान सत्य साईं,राधा कृष्ण व सरस्वती आदि की झांकियां शामिल रहीं। कार्यक्रम में साईं भजन,लक्ष अर्चना, हवन के उपरांत क्षेत्र के गरीब, निर्बल व असहाय तीन जोड़ों की शादी कराई गई, जिसमें संगठन द्वारा तीनों नव दम्पतियों को उपहार एवं आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

इस मौके पर कालेज के प्रधानाचार्य अखिलेश तिवारी ने कहा कि भगवान श्री सत्य साईं द्वारा बताए गए सत्य,धर्म,प्रेम एवं अहिंसा के मार्ग पर चलना ही मानव सेवा माधव सेवा ही जीवन जीने का एक मात्र साधन है।इसलिए लोगों को इस पर आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन कालेज के प्रबंधक रामदेव तिवारी व सच्चिदानंद तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कन्हैया सिंह, रमेश तिवारी,राजेन्द्र सोनी, राजकिशोर तिवारी, बाबूलाल मिश्रा अन्नू तिवारी सहित सैकड़ों साईं भक्त शामिल रहे।

सरयू-कमला एक्सप्रेस अयोध्या और जनकपुर के बीच सांस्कृतिक सेतु बनेगी -योगी आदित्यनाथ



संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या और जनकपुर के त्रेता युगीन रिश्तों को कलियुग में सरयू–कमला एक्सप्रेस नई गति देगी। रामनगरी और मिथिला के बीच रेल संपर्क से दोनों देशों के श्रद्धालुओं को एक–दूसरे के आराध्य के दर्शन सहज होंगे तो सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक संबंध भी प्रगाढ़ होंगे। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता जानकी की भूमि जनकपुर को अयोध्या से जोड़ने वाली यह रेल सेवा विरासत और विकास के अद्भुत संगम का उदाहरण है। नेपाल के श्रद्धालु अयोध्या आकर रामलला के दर्शन कर सकेंगे तो भारत के श्रद्धालुओं को जनकपुर धाम में माता जानकी के दर्शन की सुविधा मिलेगी।

सरयू–कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि महर्षि विश्वामित्र के साथ भगवान राम और लक्ष्मण का मिथिला जाना, वहां विवाह के बाद अयोध्या लौटना आज भी विवाह पंचमी सहित विभिन्न पारंपरिक आयोजनों में जीवंत है। अयोध्या के लोग जनकपुर को विशेष सम्मान देते हैं। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के पांच सौ वर्षों के लंबे संघर्ष में नेपाल के संतों, युवाओं, माताओं और बहनों ने भी अयोध्या पहुंचकर अपनी श्रद्धा और समर्थन व्यक्त किया था।

मुख्यमंत्री ने भारत–नेपाल के आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि पशुपतिनाथ और बाबा विश्वनाथ, मुक्तिनाथ और उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों के बीच आस्था का गहरा रिश्ता है। नेपाल से प्रतिवर्ष मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाई जाती है, जबकि नवरात्र में नेपाल से देवीपाटन शक्तिपीठ तक श्रद्धालुओं की यात्रा होती है। भगवान बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी और उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती, सारनाथ व कुशीनगर जैसे स्थल भी दोनों देशों की साझा विरासत को समृद्ध करते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत–नेपाल की खुली सीमा विश्वास का अनूठा उदाहरण है। प्रतिदिन हजारों लोग व्यापार, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पारिवारिक संबंधों के लिए दोनों देशों के बीच आवागमन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पड़ोसी प्रथम नीति के तहत नेपाल के साथ सड़क, रेल, डिजिटल, ऊर्जा और संचार संपर्कों को मजबूत किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कई जिले नेपाल सीमा से जुड़े हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क एवं परिवहन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बाराबंकी–बहराइच घोरंघन, नेपालगंज तक बेहतर संपर्क, कार्गो टर्मिनल और वेयरहाउस जैसी सुविधाओं से व्यापार को गति देने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू–कमला एक्सप्रेस अयोध्या, जनकपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन, व्यापार, होटल व्यवसाय तथा स्थानीय रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी। दोनों देशों की मैत्री को नई दिशा देने वाली यह पहल सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास को भी आगे बढ़ाएंगी। सरयू–कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री व कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर महान्त गिरीशपति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह, विधायक वेद गुप्ता, रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, अभय सिंह, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, उत्तर रेलवे के प्रबंधक राजेश पांडेय, मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा सहित रेलवे के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस झंडा दिवस पर सभी थानों में फहराया गया ध्वज

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस बल के मान, सम्मान और प्रतिष्ठा के प्रतीक पुलिस झंडा दिवस पर सोमवार को जिले के सभी थानों में पुलिस ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर संबंधित थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्षों ने ध्वजारोहण कर पुलिस ध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम में मौजूद एसपी सिटी निमिष पाटील सहित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस ध्वज का प्रतीक चिन्ह लगाया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पुलिस ध्वज की गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। अधिकारियों ने पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास, समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान व्यक्त किया।पुलिस

झंडा दिवस के अवसर पर पुलिसकर्मियों को विभाग की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने और आमजन की सुरक्षा के लिए पूरी तत्परता से कार्य करने का संदेश दिया गया। जिले के सभी थानों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस बल के सम्मान और उसकी जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान– विद्याधर भारद्वाज



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। कलयुग में भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है। इसके श्रवण से केवल मनुष्य का ही उद्धार नहीं होता, बल्कि प्रेतात्मा को भी शांति मिलती है। भागवत कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब मनुष्य इसके उपदेशों को अपने जीवन और व्यवहार में उतारता है। अन्यथा कथा केवल मनोरंजन बनकर रह जाती है। यह सद्विचार अवधधाम से पधारे कथा वाचक विद्याधर भारद्वाज ने छपरहीं गांव स्थित दुग्धेश्वरनाथ शिव मंदिर परिसर में चल रही नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ से व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भागवत कथा के श्रवण मात्र से जन्म–जन्मांतर के विकार दूर होते हैं। इससे प्राणी का लौकिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि धर्म, लाभ और मोक्ष की प्राप्ति के लिए मनुष्य को निरंतर प्रयास करना चाहिए। कलयुग में सोया हुआ ज्ञान और वैराग्य भागवत कथा के श्रवण से जागृत हो सकता है। कथा मनुष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जब व्यक्ति कथा में बताए गए आदर्शों को अपने आचरण में शामिल करता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन आता है। भागवत कथा के माध्यम से मनुष्य अपनी आध्यात्मिक चेतना को जागृत कर जीवन को सार्थक बना सकता है। मुख्य यजमान हरिगोविंद द्विवेदी, शकुंतला देवी, रामगोपाल दुबे, इंद्रजीत दुबे, गिरीश चंद्र, हरिओम त्रिपाठी, विशाल दुबे, शेखर द्विवेदी, हरेंद्र प्रसाद, पप्पू दुबे सहित तमाम भक्त मौजूद रहे।

नवागत खंड शिक्षाधिकारी ने कार्यभार ग्रहण कर एआरपी के साथ किया बैठक



–भारतीय बस्ती संवाददाता– पौली (संतकबीरनगर।

नवागत खंड शिक्षाधिकारी ने सोमवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र शनिचरा बाजार पर पहुँच कर कार्यभार ग्रहण कर एआरपी के साथ बैठक कर स्व जनगणना, निपुण आकल व विद्यालय पर आने वाली समस्याओं के बारे मे जानकारी हासिल कर विस्तार से चर्चा किये। तत्पश्चात शिक्षक नेता विपिन वर्मा के नेतृत्व में शिक्षको ने पुष्पगुच्छ व स्मृत चिंह देकर स्वागत किये।

खंड शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सभी लोग अपने–अपने न्याय पंचायत में अधिक से अधिक स्व गणना कराये। इसमें किसी प्रकार के लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिन शिक्षकों को गणना में समस्या आ रही हो तो उसका निस्तारण पहुंच कर कराएं।

निर्विवाद मुकदमों के निस्तारण में देरी पर भड़के वरिष्ठ अधिवक्ता, धरने पर बैठे

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। तहसील न्यायालयों में निर्विवाद मुकदमों को लंबित रखने, पारित आदेशों का अमलदरामद नहीं कराने और बंटवारे के मामलों में प्रारंभिक डिक्री जारी करने में हो रही देरी को लेकर सोमवार को वरिष्ठ अधिवक्ता आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने तहसील परिसर में धरना दिया। न्यायालयों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। करीब तीन घंटे तक चले धरने के बाद उपजिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह और नवागत तहसीलदार प्रांजल त्रिपाठी के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हुआ। जलालपुर तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तहसील न्यायालयों में लंबे समय से कई ऐसे मामले लंबित हैं, जिनमें कोई विवाद शेष नहीं है। इस संबंध में उन्होंने पूर्व में लिखित शिकायत देने के साथ ही रजिस्टर्ड डाक से भी उपजिलाधिकारी को पत्र भेजा था। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने 23 नवंबर से धरना देने की चेतावनी दी थी। सोमवार को तय कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने एसडीएम न्यायालय के गेट के बगल में धरना शुरू कर दिया। अधिवक्ता ने तहसीलदार न्यायालय में लंबित दयाराम राजकुमार बनाम मोहन (ग्राम सोहनपुर), रंजीत वर्मा बनाम सुरेश (ग्राम दिघी), श्रीमती कमलेश बनाम कलावती और अफजल बनाम हलीम समेत अन्य निर्विवाद मुकदमों का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग उठाई। इसके अलावा एसडीएम न्यायिक न्यायालय से पारित आदेशों का अमलदरामद कराने, निर्विवाद बंटवारा मामलों में प्रारंभिक डिक्री जारी करने तथा एसडीएम न्यायालय में लंबित चुन्नीलाल बनाम मन्नूलाल समेत अन्य बंटवारा वादों में नियमानुसार कार्रवाई पूरी करने की मांग की। उनका कहना था कि जिन मामलों में कोई विवाद नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से लंबित रखना वादकारियों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। न्यायालय से आदेश पारित होने के बाद भी उसका अनुपालन नहीं होना न्यायिक प्रक्रिया के उद्देश्य को प्रभावित करता है।

सभी शिक्षक सहयोगात्मक व गुणवत्तापरक कार्य करे, मै आप सबके साथ कदम मे कदम मिलाकर चलने को तैयार हूं। इसके पश्चात शनिचरा न्याय पंचायत के सेवइपार विद्यालय पर पहुंच कर शिक्षक संकुल बैठक में पहुंचे और एजेंडे के अनुरुप सभी को कार्य करने का निर्देश दिए।

एआरपी रुदल प्रसाद, भोलेंद्र नाथ यादव, मनीराम मौर्य, संजीव कुमार, विनोद कुमार पांडेय, अनिल कुमार सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत–श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
निगरानी सं0 778/2026
धारा 48 (1) जो0ध0अधि0
किशोरी लाल
बनाम
जुग्गी लाल

1. जुग्गी लाल पुत्र लक्ष्मी प्रसाद साकिन कलवारी मुस्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. असगर अली पुत्र खालिक 3. प्रेमशंकर पाल पुत्र विश्वनाथ पाल 4. दीपनरायन सिंह पुत्र कमला प्रसाद सिंह 5. पृथ्वीपाल सिंह 6. शिवपूजन सिंह 7. चन्द्रपाल सिंह पुत्रगण धर्मशज सिंह 8. बृजभूषण सिंह पुत्र हरीशचन्द्र सिंह 9. प्रदीप सिंह 10. अनिल सिंह पुत्रगण केदार सिंह 11. महेन्द्र सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह 12. राजवन्त सिंह 13. अवधेश सिंह पुत्रगण राजेन्द्र सिंह 14. नितीक सिंह 15. आयुसमान सिंह पुत्रगण वीरेन्द्र सिंह 16. सुभाष चन्द्र पुत्र रामलाल सिंह 17. विजय सिंह पुत्र भीम सिंह 18. श्रीमती कौशिल्या सिंह पत्नी भीम सिंह 19. आकाश सिंह पुत्र अजय सिंह 20. रितु सिंह पत्नी अजय सिंह 21. जगशेर बहादुर सिंह 22. शमशेर बहादुर सिंह पुत्रगण तुगांनाथ सिंह 23. रविन्द्र सिंह 24. महेन्द्र सिंह 25. योगेन्द्र सिंह 26. बलेन्द्र सिंह 27. धर्मेन्द्र सिंह 28. शैलेन्द्र सिंह पुत्रगण तेज प्रताप सिंह 29. संतोष कुमार सिंह पुत्र रघुनन्दन सिंह 30. आनन्द सिंह उर्फ भरत सिंह 31. रणविजय सिंह पुत्र शिव कुमार सिंह साकिनान कलवारी मुस्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 32. हरिशचन्द्र सिंह पुत्र देवपत लाल ग्राम भोयर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–12–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 01 महीना 12 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 21 माह 11 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

मुकदमे के पैरवी की रंजिश में अधिवक्ता पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मुकदमे की पैरवी करने की रंजिश में अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के खपरा बाजार में एक अधिवक्ता पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पहले से घात लगाकर बैठे हमलावरों ने उनकी बाइक जबरन रुकवाकर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ प्रहार किए। हमले में अधिवक्ता का जबड़ा टूट गया और सिर, मुंह व आंख में गंभीर चोटें आईं। हमलावर उन्हें मरा समझकर सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मालीपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर उमरन निवासी संतोष कुमार पांडेय के अनुसार, उनके बड़े भाई अवधेश कुमार पांडेय एडवोकेट रविवार शाम सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मछलीगांव जहनियापुर स्थित अपने मामा के घर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के खपरा बाजार में पहले से घात लगाए बैठे जियालाल धुरिया, मेवालाल धुरिया, महेंद्र कुमार धुरिया समेत चार–पांच अज्ञात लोगों ने उनकी बाइक रोक ली। आरोप है कि मुकदमे की पैरवी को लेकर रंजिश में हमलावरों ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। हमले में अवधेश के दाएं जबड़े का दांत टूट गया और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद हमलावर उन्हें सड़क किनारे छोड़कर भाग निकले। स्थानीय लोगों ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर अकबरपुर पुलिस ने तीन नामजद समेत कुल आठ लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी कोतवाल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अधिवक्ता अवधेश पांडेय पर हुए प्राणघातक हमले की घटना को लेकर अधिवक्ता समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में आज अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें घटना की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित अधिवक्ता को न्याय दिलाने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराने पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप मुख्य रूप से उपस्थित रहे अधिवक्तागण में मनोज पांडेय, सुधांशु पांडेय एडवोकेट, रामसूरत वर्मा एडवोकेट, राकेश चतुर्वेदी एडवोकेट, राजनारायण गिरी एडवोकेट, रामतीर्थ वर्मा एडवोकेट, मोहनलाल एडवोकेट, अरविंद तिवारी एडवोकेट, राजेंद्र प्रताप एडवोकेट, पवन कुमार यादव एडवोकेट, राम श्रीराम यादव एडवोकेट, राजेंद्र प्रसाद पटेल एडवोकेट, हरिश्चंद्र मिश्रा एडवोकेट एवं टी.एन. पांडेय एडवोकेट सहित इंद्रमणि शुक्ला, ताराकांत त्रिपाठी, विनोद श्रीवास्तव एवं डी.पी. सिंह एडवोकेट प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि अधिवक्ताओं पर इस तरह के प्राणघातक हमले अत्यंत चिंताजनक हैं। ऐसी घटनाएं न केवल अधिवक्ताओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। बैठक में सर्वसम्मति से छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया, जिसमें बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील यादव, बार एसोसिएशन मंत्री अनिल कुमार वर्मा, कल्याण समिति अध्यक्ष आनंद सिंह, पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव, त्रिभुवननाथ पांडेय एडवोकेट एवं अनिरुद्ध वर्मा एडवोकेट को शामिल किया गया। बैठक में अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ता समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पीड़ित अधिवक्ता को न्याय दिलाने के लिए पूरा अधिवक्ता समुदाय एकजुट है और मामले में प्रभावी कार्रवाई होने तक लगातार पैरवी करता रहेगा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं0–25/2026
मूलवाद सं0–112/1991
राज पोख
बनाम
पूर्णमासी (मृतक) आदि

1. पूर्णमासी मृतक पुत्र सुचित 1/1 बाबूराम वालिग पुत्र पूर्णमासी 1/2 चन्द्रा उर्फ चन्द्रावती वालिग 1/3 चनशील उर्फ चन्द्रशील वालिग पुत्रीगण पूर्णमासी साकिनान मौजा हटवा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती –रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग/प्रतिवादीगण 2. सुखई मृतक 2/1 गोविन्द उम्र लगभग 45 साल 2/2 लालजी उम्र लगभग 42 साल पुत्रगण सुखई 2/3 केवल वासी उम्र लगभग 70 साल पत्नी स्व0 सुखई 3. बहोरे उम्र 80 साल पुत्र रामटहल साकिनान मौजा हटवा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग/प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 23–12–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 23 महीना 12 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत–श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विजय पाल
बनाम
अशोक कुमार आदि

1. अशोक कुमार उर्फ प्रहलाद 2. राम सजीवन पुत्रगण स्वामीनाथ 3. विवेक वर्मा पुत्र शत्रुघ्न 4. विनीता पटले पुत्री शत्रुघ्न 5. सावित्री देवी पटेल पत्नी शत्रुघ्न 6. सोनम पटेल पुत्री शत्रुघ्न 7. सीताराम 8. तुलसीराम पुत्रगण रामनाथ साकिनान मौजा दुफेड़ी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमेाढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–12–2026

अपील बनराजी फैसला अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा 28 महीना 03 सन् 81 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 01 महीना 12 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 23 माह 11 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत–श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
जुग्गी लाल
बनाम
जुग्गी लाल

1. जुग्गी लाल पुत्र लक्ष्मी प्रसाद साकिन कलवारी मुस्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–12–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 01 महीना 12 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 21 माह 11 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कुएं में मिला चार दिन से लापता किशोरी का सड़ा–गला शव



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के मखदूमनगर से चार दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी का शव सोमवार को जमऊपुर गांव में एक खेत के कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। शव सड़ी–गली अवस्था में था। कुएं से दुर्गंध आने पर बकरी चरा रहे चरवाहों ने अंदर झांककर देखा तो किशोरी का शव दिखायी दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। मृतका की पहचान होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मखदूमनगर नई बाजार निवासी आरती (17) पुत्री स्वर्गीय बेचूलाल कोरिक बार दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी। उसके लापता होने के बाद परिजन लगातार संभावित स्थानों पर उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच सोमवार को जमऊपुर गांव के एक खेत में स्थित कुएं के पास कुछ लोग बकरियां चरा रहे थे। कुएं से तेज दुर्गंध आने पर चरवाहों ने भीतर झांककर देखा तो एक किशोरी का शव पड़ा मिला। इसकी जानकारी फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पाण्डेय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। शिनाख्त आरती के रूप में होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मामले को लेकर एक पुराना घटनाक्रम भी सामने आया है। बताया जाता है कि दिसंबर 2025 में आरती का गांव के ही शिवा पुत्र रामेश्वर पर अपहरण करने का आरोप लगा था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुराचार और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजा था। करीब छह महीने जेल में रहने के बाद आरोपी को जमानत मिल गई थी। अब किशोरी का शव मिलने के बाद इस पुराने मामले को लेकर भी क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि परिजनों के प्रार्थना पत्र के आधार पर इत्तफाकिया दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सभी पहलुओं पर जांच–पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा, जिसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डी0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–527/2024
विजय कुमार
बनाम
कन्हैया लाल आदि

1. कन्हैया लाल आयु करीब 75 साल पुत्र नगेसर साकिन चैनपुरवा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. उ0प्र0 सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरखस्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज बस्ती (जू0, डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद संख्या– 258/2026
मालती–सायल

1. मालती पत्नी रामनयन उम्र लगभग 47 साल साकिन ब्योतहरा तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–11–2026

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

बाल संरक्षण और मानव तस्करी रोकने के उपायों पर हुई चर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित व्हाइट हाउस सभागार में सोमवार को एसजेपीयू और एचचटी की मासिक समीक्षा बैठक हुई। सहायक पुलिस अधीक्षकध्क्षेत्राधिकारी अपराध अरुण कुमार एस की अध्यक्षता में हुई बैठक में बाल संरक्षण और बाल सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में किशोर न्याय अधिनियम–2015, बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, भिक्षावृत्ति, बेघर बच्चों के बचाव एवं पुनर्वास और मानव तस्करी की रोकथाम की समीक्षा हुई। पॉक्सो अधिनियम के मामलों में आवश्यक कार्रवाई पर भी जोर दिया गया। गोरखपुर पुलिस के लिए पॉक्सो अधिनियम–2012 पर कार्यशाला आयोजित करने, गुमशुदा बच्चों की तलाश में पुलिस की जिम्मेदारियों और बाल विवाह की रोकथाम पर चर्चा हुई। नवंबर से 21 दिसंबर तक चलने वाले बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान को लेकर भी रणनीति बनाई गई। बैठक में बाल कल्याण समिति, माध्यमिक शिक्षा विभाग, एसएसबी, एचचटी और सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारी शामिल रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कॉम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com